हनुमानगढ़ से प्रकाशित एवं प्रसारित

आर.एन.आई रजि. नं.: RAJBIL/2023/88776, पोस्टल रजि. नं. : श्रीगंगानगर/311/2024-26

NAVRATAN BHARAT

नवरतन भारत

सकारात्मक खबरों का मंच

Navratan Bharat FOLLOW US

अंक 09,वर्ष 3
पृष्ठ 4, मूल्य 5
मंगलवार
हनुमानगढ़ 24 फरवरी 2026
हिन्दी/अंग्रेजी /साप्ताहिक

प्रधान संपादक लक्ष्मीनारायण स्वामी कार्यालय लक्ष्मीनारायण स्वामी गोविंद सिंह नगर हनुमानगढ़ जं. M.94130-44646 Email:- info@navratanbharat.com

सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) भर्ती-2024—

जयपुर, 23 फरवरी। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) भर्ती-2024 के तहत पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन 12 अक्टूबर 2025 को किया गया था। उक्त परीक्षा में उपस्थित एवं संबंधित सेवानियमानुसार न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त 186 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है।

विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह चयन/वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराये जाने के पश्चात आयोग द्वारा जारी की जायेगी।

उपरोक्तानुसार विचारित सूची में अस्थाई रुप से सम्मिलित किए गए सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर माय रिक्रूटमेंट-डीटेल्ड फॉर्म कम स्क्रूटनी- अप्लाई नाउ का चयन कर अपना विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरें।

ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र भरने हेतु आयोग द्वारा दिनांक 27 फरवरी से 5 मार्च 2026 (रात्रि 11.59) तक लिंक खोला जायेगा। इस क्रम में यह भी सूचित किया जाता है कि विस्तृत आवेदन-पत्र व दस्तावेजों की जांच संबंधित विभाग (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) द्वारा ही की जायेगी।

अतः ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने व सबमिट करने के उपरांत प्रिन्ट ऑप्शन पर जाकर सम्पूर्ण विस्तृत आवेदन पत्र को 02 प्रतियों में प्रिन्ट कर अपने पास संभाल कर रखें एवं एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की सूचना के अनुसार निर्धारित दिनांक, समय व स्थान पर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) मय समस्त मूल दस्तावेजों व स्वयं सत्यापित प्रतियों सहित उपस्थित होवें। इस हेतु संबंधित विभाग द्वारा ही उचित माध्यम से अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु सूचित कराने की कार्यवाही सम्पादित की जायेगी एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा अलग से कोई सूचना अभ्यर्थियों को प्रेषित नहीं की जायेगी। विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन हेतु निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होने पर अभ्यर्थी को अपात्र मानते हुए परिणाम में विचारित नहीं किया जायेगा।

अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों व नियमों के अनुसार की जावेगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी।

संबंधित विभाग से दस्तावेज जांच/सत्यापन उपरांत, पात्र अभ्यर्थियों की सूची विभाग द्वारा आयोग को भेजी जायेगी, जिसके उपरांत आयोग द्वारा परिणाम जारी कर चयनित अभ्यर्थियों के नाम नियुक्ति हेतु संबंधित विभाग को अभिस्तावित किये जायेंगे।

30 अभ्यर्थी अयोग्य घोषित —

उक्त परिणाम के अंतर्गत आयोग द्वारा 10' से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्पों में से कोई भी विकल्प नहीं भरने के कारण 30 अभ्यर्थियों को परीक्षा हेतु अयोग्य घोषित किया गया है। इन अभ्यर्थियों के रोल नंबर पृथक से आयोग की वेबसाइट पर जारी

कृषि मेले में विधिक सहायता स्टॉल रही आकर्षण का केन्द्र

नवरतन भारत न्यूज 94130-44646

जिला प्रशासन, एमएसएमई विभाग एवं श्री खुशालदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय कृषि मेले का आयोजन दिनांक 21.02.2026 से 23.02.2026 तक श्री खुशालदास विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। अतः उक्त मेले में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हनुमानगढ़ के मार्गदर्शन में विधिक जागरूकता हेतु विश्वविद्यालय संचालित लीगल एड क्लिनिक द्वारा एक विधिक सहायत स्टॉल लगायी गयी। जिससे ग्रामीण अंचल में निवास करने वाले किसानों व आमजन को इसका लाभ मिल सके। उक्त स्टॉल का संचालन श्री विक्रम सिंह विभागाध्यक्ष विधि विभाग, प्रभारी, लीगल एड क्लिनिक द्वारा किया। स्टॉल पर ग्रामीण अंचल के किसानों व आमजन को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाऐं जैसे नालसा संवाद, जागृति, निःशुल्क विधिक सहायता हैल्पलाईन 15100, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाने वाले प्रकरणों की प्रकृति आदि के बारे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चीफ एलएडीसी अधिवक्ता ऋषि राज बेनीवाल द्वारा बताया गया एवं उक्त सभी योजनाओं से संबंधित पैम्पलेटस का भी वितरण किया गया।

सरहेड़ा में सुनी गई प्रधानमंत्री की मन की बात, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया व पूर्व मंत्री अनूप धानक रहे उपस्थित

नवरतन भारत न्यूज 94130-44646

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा) उकलाना विधानसभा के गांव सरहेड़ा स्थित बूथ संख्या 163 पर रविवार को कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री भारतीय जनता पार्टी हरियाणा सुरेन्द्र पूनिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री हरियाणा सरकार अनूप धानक की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उन्हें आत्मसात करने का संकल्प लिया।इस दौरान प्रदेश महामंत्री भाजपा हरियाणा सुरेन्द्र पूनिया ने कहा कि आज 'मन की बात' केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम नहीं रह गया है, बल्कि यह देश के हर जन-जन की आवाज बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से समाज के प्रेरणादायक व्यक्तित्वों, नवाचारों और सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाएं और समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मनवीर पूनिया के सभी अतिथिगणों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव युवा मोर्चा भाजपा हरियाणा विपिन लोहिया,अनूप घनघस चेयरमैन ब्लॉक समिति बरवाला,मार्केट कमेटी बरवाला चेयरमैन प्रवीण सैनी,मंडल अध्यक्ष बरवाला मोनू संदूजा,वाइस चेयरमैन रोशन घनघस,वरिष्ठ भाजपा नेता देशराज वर्मा,नरेंद्र पूनिया,मनोनीत पार्षद पंकज बादल,मनजीत पुनिया,सोनू लाठर,बलजीत सिवाच,जिला आईटी सह प्रमुख भाजपा कमल हंदूजा,वरिष्ठ भाजपा नेता तरसेम पूनिया,सतीश,शमशेर,जसबीर,मन जीत सरपंच, परमित पूनिया,ईश्वर सरपंच सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नये नियमों के अनुसार हमारा वेतन व कन्वेंस करवाने के लिए कम्पनी इन्डस टावर को पाबन्द किया जाये

नवरतन भारत न्यूज 94130-44646

हनुमानगढ़। टेक्निशियन एम आर जी प्राईवेट लिमिटेड में कार्यरत कर्मचारीयो कि सम्बधित शाखा सीटू के साथ टैक्नीशियन वर्क्स एण्ड टावर युनियन सीटू के बैनर तले आज जिला कलक्टर महोदय, हनुमानगढ़ को एक ज्ञापन कामरेड रामेश्वर वर्मा के नेतृत्व में उनखण्ड

अधिकारी को सौपा और मांग कि नये नियम के अनुसार सभी टेक्निशियन वेतन व कन्वेस करवाने के लिए कम्पनी इन्डस टॉबर को पावन्द बाबत किया जाये उन्होने कहा इन्डस टॉवर एक टेलीकॉम कम्पनी है जो ऐयरटेल, वोडाफोन, जीयो, बीएसएनएल व अन्य ऑपरेटर टॉवर व पॉवर इन्फाराटेक्चर उपलब्ध करवाता है। हम टेक्निशियनों का द्वारा लोगों के घर तक नेटवर्क पहुंचाने का कार्य 24धण्टे 7 दिन किया जाता है। सभी कर्मचारी 2008 से कार्य कर रहे, है टॉवर मेन्टिनेंस बनाये रखने के लिए इन्डस टावर हमें नाम मात्र का वेतन देती है जो 10,000/- रूपये अखरे दस हजार रूपये है व एक महिने का टावर मेन्टीनेंस का एक बार 200 /- रूपये महिने का पैट्रोल खर्चा एक टावर का दिया जाता है. चाहे महिने में एक बार विजिट हो या 20 बार विजिट हो मात्र 200/- रूपये ही दिये जाते हैं। एक टेक्निशियन को 20 से 25 टावर शहरी क्षेत्र में दिये जाते हैं व ग्रामीण एरिये में 20 से 22 टावर दिये जाते हैं। इन टावरों में मेन्टिनेंस कार्य 24 घण्टे सातों दिन देखना पड़ता है आज के समय में मंहगाई को देखते हुए 10,000/- रूपये वेतन कम है। आपसे निवेदन है राजस्थान के हम सभी टेक्निशियनों द्वारा 17 सूत्री मांगों का ज्ञापन कम्पनी को दिया जा चुका है परन्तु उस पर आज तक किसी प्रकार का रिस्पोंस कम्पनी की तरफ से नहीं मिला है। हम सभी टेक्निशियनों ने निर्णय लिया है कि मंहगाई के दौर में सरकार के नियमों को देखते हुए मासिक वेतन 35.000 /- रूपये किया जावे व कन्वेस पर टावर 500 रूपये पर टावर कन्वेस दिया जावे व रात को कम्पनी द्वारा मेन्टिनेंस के लिए जिले में आपातकालीन परिस्थिती में नेटवर्क मेन्टिनेंस के लिए फोरविलर कम्पनी द्वारा उपलब्ध करवाया जावे व साईटों की संख्या निर्धारित की जावे हम सभी राजस्थान के टेक्निशियनों ने फैसला लिया है कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी जाती है तो तारीख निर्धारित कर सभी टेक्निशियन हड़ताल पर जायेंगे नेटवर्क बन्द होने व हर तरफ के नफे नुकसान की कम्पनी जिम्मेवार होगी। आप से निवेदन है कि नये नियमों के अनुसार हमारा वेतन व कन्वेंस करवाने के लिए कम्पनी इन्डस टावर को पाबन्द किया जाये। इस मौके पर रामेश्वर वर्मा, रघुवीर वर्मा, अध्यक्ष रणवीर मटोरिया, सचिव भुपेन्द्र ज्याणी, वेद मक्कासर, जगदीश मेहरिया, जतिन कामरा, जनक देहडू, महेन्द्र, टैक्नीशियन वर्क्स एण्ड टावर युनियन सीटू के कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन 25 फरवरी को

श्रीगंगानगर, 23 फरवरी। उपश्रेत्रीय रोजगार कार्यालय श्रीगंगानगर द्वारा 25 फरवरी 2026 को राजकीय आईटीआई श्रीगंगानगर में प्रातः 10 बजे से एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया जायेगा।

शिविर में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों (बीमा, मेडिकल, एग्रीकल्चर, फाइनेन्स, आईटी, बैंकिंग सेक्टर) द्वारा दसवीं, बारहवीं पास, स्नातक उत्तीर्ण एवं आईटीआई उत्तीर्ण आशार्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक आशार्थी रोजगार मेले में रजिस्ट्रेशन हेतु क्यूआर कोड को स्केन करके अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रोजगार के इच्छुक युवा अपने साथ स्वयं के पांच फोटो (पासपोर्ट साईज), मूल शैक्षणिक कागजात (दो सैट फोटोस्टेट प्रतियों सहित) व मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व अनुभव प्रमाण पत्र आदि साथ लेकर आवें।

(कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में रजिस्ट्रेशन हेतु क्यूआर कोड)

शहर के सुरेशिया क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं और खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त

नवरतन भारत न्यूज 94130-44646

हनुमानगढ़। शहर के सुरेशिया क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं और खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। इस संबंध में पार्षद राजेन्द्र चौधरी ने नेतृत्व में नागरिकों ने सोमवार को जंक्शन पुलिस थाना में लिखित प्रार्थना पत्र सौंपकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आमजन में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। इसके साथ ही हेरोइन सहित अन्य नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि नशे की लत के कारण युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है तथा आपराधिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया कि हाल ही में हुई चोरी की घटना के संबंध में सुरेशिया पुलिस चौकी में सूचना देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में असंतोष है। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए जा रहे, जिससे समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। नागरिकों ने मांग की है कि सुरेशिया क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर चोरी व नशे की बिक्री पर रोक लगाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था कायम रहे और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सके। पुलिस अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस मौके पर पार्षद सिंगाराम विकास शर्मा, अशोक गोरी,संजय राजपूत,ममता रानी,हेमन्त कुमार,मोहित कुमार,मनदीप सिंह,रोशन लाल,लक्ष्मण,कुलदीप कुमार,रिछपाल भाट,राजू भाट,दरबारा सिंह,कृष्ण कुमार,संजय सिंह,देव कुमार, आदि वार्डवासी मौजूद रहे।

भक्तिमय भजनों से सराबोर हुआ नॉर्थ प्वाइंट स्कूल; मोबाइल से दूरी बनाने का दिया संदेश

नवरतन भारत न्यूज 94130-44646

नॉर्थ प्वाइंट पब्लिक स्कूल में दिव्य सत्संग एवं भजन संध्या का सफल आयोजन।समाजसेवी तरुण विजय ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।साध्वी कमलेश्वरी भारती एवं सविता भारती ने भजनों से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध।14 मार्च को विशाल कलश यात्रा और 16 मार्च से श्रीमद्भागवत कथा का होगा आगाज़।

विस्तृत समाचार:

भक्ति और अध्यात्म का संगम दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में हाउसिंग बोर्ड स्थित नॉर्थ प्वाइंट पब्लिक स्कूल में एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने शिरकत की और भक्ति रस का आनंद लिया।

अतिथियों का संदेश कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री तरुण विजय रहे। उन्होंने साध्वी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर के चरणों में बिताए गए कुछ पल जीवन को शांति और सुखद अनुभूति प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

मोबाइल और संस्कृति पर गंभीर चर्चा साध्वी सविता भारती ने आधुनिक जीवनशैली पर प्रहार करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहाःहमें अपने बच्चों को मोबाइल की लत से बचाना होगा। यह तकनीक हमारी सभ्यता और संस्कृति को नष्ट कर रही है और परिवारों के टूटने का कारण बन रही है। दिन भर में कुछ समय निकालकर प्रभु से वार्तालाप अवश्य करें। 'आगामी कार्यक्रमः श्रीमद्भागवत गीता पाठ संस्थान द्वारा आगामी धार्मिक अनुष्ठानों की घोषणा भी की गईः

14 मार्च: माता-बहनों द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी।

16 मार्च से 22 मार्च: जंक्शन स्थित अनाज मंडी में श्रीमद्भागवत गीता पाठ का भव्य आयोजन होगा।

समापन भजन संध्या के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मधुर भजनों और प्रेरणादायक प्रवचनों ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया।

श्री करणी कथा का शुभारंभ, पहले दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नवरतन भारत न्यूज 94130-44646

- महत डॉ श्री करनी प्रताप सिंह ने सुनाई माता के जन्म की कथा, फूलों की वर्षा के बीच गूंजी आरती

हनुमानगढ़। जंक्शन नई धान मंडी स्थित श्री करणी माता मंदिर परिसर में श्री करणी कथा का भव्य शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। कथा के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सर्व समाज के हजारों महिला-पुरुषों ने कथा श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। पूरा पांडाल भक्ति रस में डूबा नजर आया।

कथा के आरंभ से पूर्व मुख्य यजमान विधायक प्रतिनिधि संतोष बंसल एवं श्रीमती भवर कंवर जोधा ने विधिवत पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलन हुआ और माता के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

महत डॉ श्री करनी प्रताप सिंह ने प्रथम दिवस की कथा में माँ करणी के दिव्य जन्म, उनके चमत्कारों और लोककल्याणकारी जीवन का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार माता ने समाज में धर्म, सेवा और त्याग का संदेश दिया। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर माता के जयकारे लगाते रहे। शाम 5 बजे माताजी की भव्य आरती की गई, जिसमें पूरा पांडाल श्रद्धा से सराबोर हो गया। आरती के समय भजन प्रवाहक किन्नू बना ने भजनों के प्रवाह से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। फूलों की वर्षा कर भक्तों ने अपनी आस्था प्रकट की।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि संतोष बंसल ने कहा कि माँ करणी केवल एक देवी स्वरूप नहीं बल्कि शक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति व परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कथा का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा आगामी दिनों तक नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सुरक्षा, पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। कथा स्थल पर दिनभर भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंगा रहा।

इस मौके पर सरोज जिंदल, बिमला चारण, लक्ष्मी मोठसरा,सीमा रानी, सुमन शर्मा, गयात्री गोयल, बेबी कंवर, गोपाल सिंह, संतोष कंवर, समंदर सिंह, दुर्गेश कंवर, नील कंवर, कैलाश कवर,अजय राजावत, कृष्णा कवर राजावत, भवरी कंवर, सुशीला कंवर राजावत, श्याम कंवर, प्रेम सिंह राजावत, रूपसिंह राजावत, गोपाल सिंह राठौड़, दलीपराम, तनसुखराम, प्रेम कुम्हार, अमर सिंह, विजय सिंह पन्नीवाली, सोहन सिंह, गोविन्द सिंह, गोपी सिंह, प्रवीण सिंह, राजेश्वर, महिपाल सिंह राठौड़, महावीर सिंह, गोपी सिंह, अतर सिंह, छज्जूराम गोयल, धर्म सिंह शेखावत, बहादुर सिंह शेखावत, जसकरण सिंह, अक्षयदान चारण, भागीरथदान चारण, शम्भूदान चारण, गोपाल सिंह राठौड़, धर्म सिंह शेखावत, धनसिंह राठौड़, राजेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, पाथ चारण, गोविन्द सिंह शेखावत व अन्य श्रद्धलुओं मौजूद थे।

आवश्यक सूचना!

नोट-अखबार प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। फिर भी वाद-विवाद की स्थिति में तमाम न्याय क्षेत्र हनुमानगढ़, राजस्थान होगा।

www.navratanbharat.com,email:-navratnbharat@gmail.com,Mob:-94130-44646

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा।

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉर्पोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएं खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएं लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहां स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहां एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएं, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएं भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल आधारित नौकरियों की मांग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढांचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्यूमन इन द लूप...केंद्र में... का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढांचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारम्भ है। यहां से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एआई समिट से सीयू तक

नए जगत की खोज में हिंदोस्तान के कदम जहां निकले, वहां परिवेश में ज्ञान की दौलत को चिन्हित करना पड़ेगा। दुनिया को मुरीद बनाती तकनीक का सारा आलम ए आई से संचालित होने जा रहा है, जहां जीवन के हर पहलू में एक नया सवेरा खोजा जाएगा। दिल्ली में इंडिया इम्पैक्ट ए आई समिट के माध्यम से नई वैश्विक शक्ति, शिक्षा के नए विषय, सोचने का नया सामर्थ्य और जानने की नई क्षमता में सूक्ष्म बिंदुओं पर विचार हो रहा है। ज्ञान का परिदृश्य और तरक्की का आश्चर्य बोध हर लम्हे को इसकी अति सूक्ष्मता में जाहिर करेगा। भारत की क्रांतियों में ए आई की भूमिका अभी पीछे है। कम्प्यूटरिंग सुविधा के साथ ए आई के हब और गीगावाट की क्षमता में आरोहण का दस्तूर अभी परीक्षण के दौर में है, क्योंकि पानी और बिजली की खपत में डाटा भंडारण के हर कदम पर इस्तेमाल की व्यापकता है। एक विवाद ने निजी विश्वविद्यालय की पगड़ी उछाल दी और जग हंसाई के दस्तूर में 'ए आई' एक जुमला सा हो गया। चीन और अमरीका के बीच ए आई का जलवा भारत की पहचान में अभी मद्धिम है, तो समझना यह होगा कि हमारे आई आई टी और ट्रिपल आई टी के शोध पत्रों में कितना मसौदा भरना बाकी है। यूं तो कौशल विकास की खिड़कियों से रोजगार के अवसर देखे जा रहे हैं, लेकिन ए आई के संकल्प से रास्ते और भी कठिन होंगे। कहने को हमारी तुलना का विश्व हमें शक्ति देता है, लेकिन जिस देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त के राशन की ताकत चाहिए, वहां आगे बढ़ने के द्वंद्व कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगे। बहरहाल देश में ए आई अब एक स्तंभ है और युवा महत्त्वाकांक्षा का अगला सफर। ऐसे में देश से प्रदेश तक और वैश्विक दृष्टि से अपने परिवेश तक मूल्यांकन जरूरी है।

यह विडंबना है कि हिमाचल में सदन की बहस जिन मुद्दों पर टिकी है, वहां ए आई का जमाना बहुत दूर हो जाता है। यह दीगर है कि सुखविंदर सुक्खू सरकार ने रोबोटिक सर्जरी की पहल से आगे निकलने की कोशिश की या कुछ इंजीनियरिंग कालेजों के पाठ्यक्रम में विषय का शंखनाद हो गया, लेकिन हमें सोचना पड़ेगा कि हिमाचली विकास का वैज्ञानिक पक्ष कितना मजबूत है। क्या हमारे तमाम विश्वविद्यालयों ने एआई की जमीन तैयार की गई है। प्रदेश में शिक्षा का मात्रात्मक विकास जिस छोर पर खड़ा है, वहां नौकरी ही एंड प्रॉडक्ट माना गया है। नवाचार के क्षेत्र में ही हमारे विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता विराम तक पहुंच जाती है, तो आगे एआई के संदर्भ कैसे मजबूत होंगे। हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंखों में ए आई का प्रकाश हो जाए, तो ज्ञान की पाठशाला सशक्त होगी, वरना ऐसा नहीं लगता कि इस संस्थान की रचना में अंतरराष्ट्रीय पैमानों का सोच पल्लवित हो रहा है। विश्वविद्यालय की संगोष्ठियों में विषयों की परंपरा इतनी परंपरावादी है, कि छात्रों के जेहन में संस्कृति के नाम पर ज्ञान किसी पोस्टर में खड़ा हो रहा है। अगर संस्कृत भाषा के आलोक में ही विश्वविद्यालय को अपनी जन्मपत्री मजबूत करनी है, तो कब ए आई का पौधारोपण होगा। वैसे भी हिमाचल के तमाम विश्वविद्यालय एक ही पाजामा पहनकर अपनी मंजिलों में आत्म संतुष्ट दिखाई देते हैं।

चिंतन-मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्राय: जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनती हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं। शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके।

गिरगिट से ज्यादा तेज गति से रंग बदलते हैं ट्रंप

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। पिछले एक वर्ष में जिस तरह से उन्होंने निर्णय लिए हैं उनके निर्णय के कारण जिस तरह की अनिश्चित अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है, उसके बाद लोग यह कहने लगे हैं, कि गिरगिट भी देर से रंग बदलता है लेकिन ट्रंप उससे जल्दी रंग बदल लेते हैं। हाल ही में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के ऊपर जो टैरिफ लगाए गए थे उसे निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैधानिक माना है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया फैसला लिया, जिसमें 10 फीसदी टैरिफ को लगाने का फैसला किया था। अदालत के फैसले के कुछ ही घंटे के बाद उन्होंने शुक्रवार को 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन शनिवार को उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। 24 फरवरी से 24 जुलाई तक सभी देशों की अलग-अलग दरों के स्थान पर अगले 150 दिन अर्थात 15 जुलाई तक 15 फीसदी टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसका असर भारत पर भी पड़ने जा रहा है। भारत के फार्मा और पेट्रो पर तीन फीसदी टैरिफ लगेगा लेकिन बाकी सभी चीजों पर अब 15 फीसदी टैरिफ अमेरिका में जो भी माल भेजा जाएगा उस पर लगेगा। भारत के संबंध में बात की जाए तो पहले उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगाया, 2 फरवरी को अंतरिम ट्रेड डील पर सहमति जताते हुए टैरिफ को 18 फीसदी किया था। उसके बाद 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अब उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह की अनिश्चितता अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में देखने को मिल रही है उसमें भले अभी ट्रंप को कुछ फायदा हो रहा हो लेकिन जिस तरह से अमेरिका की साख को बट्टा लग रहा है उसके बाद सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है अमेरिका को जिस दिशा में डोनाल्ड ट्रंप ले जाना चाहते हैं। उसके कारण अमेरिका कुछ ही महीना में बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिए जा रहे हैं इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अमेरिका के ऊपर ही पड़ रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी से विभिन्न देशों ने अपना सोना और बांड के रूप में जमा राशि को निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिका की जो विश्व में साख पिछले कई दशकों में बनी हुई थी वह तार-तार हो गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारों को अमेरिका के ऊपर भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानकर उन्होंने वैकल्पिक तरीके से सारी दुनिया के देशों से जो 15 फीसदी टैक्स एक जजिया-कर की तरह वसूल करने की कोशिश की है, वह अपने निर्णय के माध्यम से दबाव बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में अपने परिवार और पारिवारिक कंपनियों को जो लाभ पहुंचाना चाहते हैं उसकी वह रणनीति चर्चा का विषय बन गई है।

कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारें अमेरिका से दूरी बनाने लगी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी आंतरिक चुनौतियां राजनीतिक आधार पर बनना शुरू हो गई हैं। सड़कों पर उनका विरोध शुरू हो गया है। विभिन्न राज्यों में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय व्यवस्था को खत्म करने और डिक्टेटर वाले निर्णय लेने से बगावत जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी है। अमेरिका कभी पूरी दुनिया का नेतृत्व करता था लेकिन अब यह स्थिति बदलती हुई दिख रही है। रूस, चीन जैसे देश अमेरिका के समानांतर एक नई वैकल्पिक व्यापारिक व्यवस्था विकसित करने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक मुद्रा तैयार कर रहे हैं। जिसको दुनिया के अन्य देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। अभी तक अमेरिका को जो डॉलर के कारण कमाई हो रही थी अब वह कमाई भी खतरे में पड़ती हुई दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्दबाजी में है। उनके कार्यकाल का एक वर्ष एक माह लगभग खत्म हो चुका है उनके लिए 2 वर्ष और 11 माह शेष हैं। इस बीच में वह अपने परिवार और अपने लिए वह सब कुछ कर लेना चाहते हैं जो वह सोचते हैं। लेकिन यह संभव नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों के कारण अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में उनका विरोध बढ़ता चला जा रहा है। व्यापार और संबंध में विश्वास होना जरूरी होता था। वह विश्वास डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर देखने को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक होकर मनमाने फैसले ले रहे हैं उसके बाद यह माना जा रहा है कि जल्द ही उनके खिलाफ अमेरिका में विद्रोह शुरू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जिद्दी हैं। यह उनका व्यक्तिगत दुर्गुण है, जिसका खामियाजा आगे चलकर अमेरिका को चुकाना पड़ेगा। इसमें अब कोई संदेह नहीं रहा।

एक पृथ्वी, एक मानवता: शांति और समझ का वैश्विक संकल्प

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वां स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, सतत प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि ह्यरोटरीह्न नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरूआत में इसे ह्यशांति दिवसह्न नहीं कहा जाता था। इसका नाम ह्यरोटरीह्न इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और वही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुंच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी (रोटरी इंटरनेशनल) शुरूआत की थी पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही ह्यविश्व शांति और समझ दिवसह्न के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहां पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएं शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हां, अपने कॉरियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टेशन करता हूं एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौका मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूं, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी जरूर जाननी चाहिए।'

बतौर अभिनेता अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई दिखानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी की इस बात को सुनकर उनके दर्शक सहज ही कल्पना कर सकते है कि जब वे उनके क्रिकेट आइडल की भूमिका निभाएंगे तो वह कितना शानदार होगा। यही वजह है कि अब सिद्धांत के साथ उनके फैंस भी ये मैनिफेस्ट कर रहे है कि सिद्धांत जल्द से जल्द युवराज सिंह की भूमिका में नजर आए क्योंकि युवराज सिंह की भूमिका वही कलाकार निभा सकता है, जिसमें स्टार प्रेजेंस के साथ-साथ भावनात्मक संवेदनशीलता भी हो और इस कसौटी पर सिद्धांत पूरी तरह खरे उतरते हैं। वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक मे नजर आनेवाले है और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं। फिलहाल अपने करियर में वास्तविक जीवन से जुड़ी, विरासत-प्रधान कहानियों के प्रति अपने जुड़ाव को सिद्धांत जिस खूबसूरती से मजबूत करते जा रहे हैं, इससे ये विश्वास और पक्का हो जाता है कि अगर कभी युवराज सिंह की बायोपिक बनी, तो उसके लिए सिद्धांत चतुर्वेदी एकदम परफेक्ट कलाकार होंगे।

राजकुमार राव के समर्थन में उतरीं पत्नी पत्रलेखा; आलोचकों को दिया जवाब

हाल ही मे अभिनेता राजकुमार राव को उनके बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने उन्हे बूढ़ा तक कह डाला था। इसके बाद बीते दिन राजकुमार राव ने आलोचकों को जवाब देते हुए वजन बढ़ाने का कारण भी बताया था। अब अभिनेता की पत्नी व एक्ट्रेस पत्रलेखा ने राजकुमार राव का सपोर्ट किया है। साथ ही उन्होंने ट्रोलर्स पर भी निशाना साधा है।

पत्रलेखा ने राजकुमार राव की एक पोस्ट को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए अभिनेता का सपोर्ट किया है। राजकुमार राव पर गर्व जताते हुए पत्रलेखा ने स्टोरी पर अपने नोट में लिखा, 'आप पर बहुत गर्व है। आप हर फिल्म प्रोजेक्ट के लिए अपना सब कुछ देते है। दुनिया उस प्रोसेस और मेहनत को नहीं देखती, जो एक एक्टर के किरदार को बनाने में लगाता है। आखिरी नतीजा हमेशा आसान दिखता है। नजर आने वाले सारे फेम और ग्लैमर के पीछे, एक एक्टर की जिंदगी खून, पसीने, आंसुओं और पर्सनल लाइफ के त्याग से भरी होती है।'

'निकम' फिल्म के लिए राजकुमार ने बढ़ाया वजन

हाल ही मे राजकुमार राव एक इवेंट में शामिल हुए थे। जहा उनके बदले हुए लुक को देखकर लोगों ने उन्हे ट्रोल किया था और बूढ़ा बता दिया था। इसके बाद राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया था। इसमे उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'निकम' के लिए 9-10 किलो वजन बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की। एक्टर ने पोस्ट में ये भी बताया था कि उन्हे प्रोस्थेटिक मेकप पसंद नहीं है, इसलिए जहा तक सम्भव होता है वो अपने शरीर पर मेहनत करते हैं। पोस्ट में राजकुमार राव ने अपनी उन पिछली फिल्मों का भी जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया।

नेटफ्लिक्स की फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मालिक' मे नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'टोस्टर' शामिल है। इसमें उनके साथ सान्या मल्होत्रा और अभिषेक बनर्जी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में दो बायोपिक 'निकम' और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक भी शामिल है।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाई और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बना रहे हैं विवेक अग्निहोत्री?

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी मे है। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे है। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया। प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे मे पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया।

अब लेखिका बनीं अभिनेत्री आयशा शर्मा

अभिनेत्री आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रहीं हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहां पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहां आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

अक्षय कुमार ने जमकर की आरजे महवश की खिंचाई

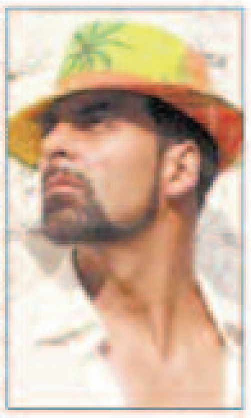

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' शो का लेटेस्ट एपिसोड काफी मजेदार होने वाला है। इस खास एपिसोड में 100 कंटेंट क्रिएटर्स नजर आएंगे, जिनमें आरजे महवश भी शामिल हैं। हाल ही में जारी प्रोमो में अक्षय कुमार, आरजे महवश की दरअसल, महवश पजल को स्क्रीन पर आने से पहले ही सॉल्व करने की कोशिश कर रही थी। इसे देखकर अक्षय ने मजाक में कहा, 'किसी का बाप नहीं सॉल्व कर सकता... जो सॉल्व कर देगा उसे मैं 1 करोड़ दूंगा...1 करोड़ छोड़ो, अपनी किडनी भी दे दूंगा।' अक्षय की इस बात पर महवश और वहां मौजूद दर्शकों की हंसी छूट गई। महवश ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'इस दिन मेरे साथ जितना गलत हो सकता था, सब हुआ।

शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के बारे में

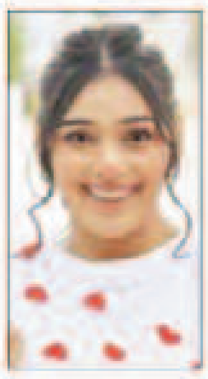

मजेदार बातचीत और अक्षय कुमार के मजाकिया अंदाज ने इस एपिसोड को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। अक्षय कुमार का गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी चैनल पर प्रसारित होता है। इसके अलावा इसे सोनी लिव ऐप पर भी स्ट्रीम किया जा सकता है। शो में प्रतियोगियों को कई पजल्स सॉल्व करने होते हैं और इसके बदले में उन्हें कैश प्राइज जीतने का मौका मिलता है।

सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई है। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल मे दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की।

फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा?

जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थी। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझाते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा?

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे है। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर कितने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है?

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति है। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था?

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों मे नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है। सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताएं देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिससे मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी। 15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

9वां भगवा होली महोत्सव 2 मार्च को

नवरतन भारत न्यूज
94130-44646

ऐलनाबाद, 23 फरवरी (रमेश भार्गव) विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा सभी शहर वासियों के सहयोग से होली महोत्सव के कार्यक्रम को लेकर आज शहर के डीएवी स्कूल में एक मीटिंग रखी गई मीटिंग मे आगामी 2 मार्च सोमवार को होली के कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र पूरे शहर में डोर टू डोर देने के लिए सदस्यों की ड्यूटी लगाई गई. यह जानकारी विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी देवेंद्र गोयल ने आज इस संवाददाता को.दी उन्होंने बताया कि 9वां 'भगवा होली महोत्सव' का शुभारंभ नोहर रोड स्थित बालाजी धाम बगीची से दोपहर 2:00 बजे शुरू होकर मुख्य बाजार के पंचमुखी चौक, ममेरा चौक, गांधी चौक,चौधरी देवीलाल चौक, टिब्बी चौक से होते हुए शाम को नचिकेतन मॉडल स्कूल,उधम सिंह चौक में संपन्न होगी. देवेंद्र गोयल ने बताया कि इस 9वें 'भगवा होली महोत्सव' में मुख्य अतिथि राधेश्याम जी छापोला (समाजसेवी) व वशिष्ठ अतिथि राजीव वधवा (अध्यक्ष युवा अरोड़ वंश सेवा समिति)तथा स्वागतकर्ता अमित सर्वटा (अध्यक्ष भगवान वाल्मीकि प्रबंधक कमेटी) होंगे.

उन्होंने बताया कि होली उत्सव पर राजस्थानी वेशभूषा में डफ व धमाल के साथ पूरे बाजार में होली खेलते हुए रंग और गुलाल उड़ाते हुए बालाजी धाम से दोपहर को 2:00 बजे प्रस्थान.करेंगे. देवेंद्र गोयल ने बताया कि इस उत्सव पर एक लकी ड्रा कूपन से दस एवं एक बंपर ड्रॉ होगा,बंपर ड्रॉ वाले को साइकिल दी जाएगी द्य.कूपन 2 मार्च सोमवार को 9:00 बजे से 1:00 बजे तक जमा करवा देवे(बालाजी धाम बगीची) में एक व्यक्ति एक ही कूपन जमा करवा सकता है तथा उपहार इस व्यक्ति को दिया जाएगा जिसके पास मौके पर कार्ड होगा.

श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का फाल्गुन मेला 24 से 28 फरवरी तक

नवरतन भारत न्यूज
94130-44646

ऐलनाबाद, 23 फरवरी (रमेश भार्गव)शहर के ममेरा रोड स्थित सिद्ध पीठ श्री श्याम मंदिर का फाल्गुन मेला 24 से 28 फरवरी तक बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा कल 24 फरवरी को सुबह 10:15 बजे रक्तदान कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसमें उपमंडल क्षेत्र के लोग बढ़-चढ़कर रक्तदान में भाग लेंगे.उसी दिन 3:15 बजे मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा!अगले दिन 25 फरवरी को ध्वजाशोभा व कलश यात्रा दोपहर 12:15 बजे शहर के रेलवे रोड स्थित दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे बाजार का भ्रमण करती हुई शाम को सिद्ध पीठ श्री श्याम मंदिर में पहुंचकर संपन्न होगी ध्वजा शोभा यात्रा में विभिन्न देवी -देवताओं की मनमोहक झांकियां भी प्रस्तुत की जाएगी जो की देखने लायक होगी,26 फरवरी को अखंड ज्योति पाठ सुबह 9:15 बजे कथा वाचक सुरेश जी शर्मा भादरा वाले द्वारा किया जाएगा जिसमें हजारों की तादाद में श्रद्धालु पाठ में हिस्सा.लेंगे27 फरवरी को मंदिर प्रांगण में विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा,जिसमें भजनामृत की वर्षा के लिए सोनी सिस्टर दिल्ली, शशिकांत श्रीगंगानगर, कन्हैया झा रायसिंहनगर, पंकज म्यूजिकल ग्रुप हनुमानगढ़ को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है जो पूरी रात्रि श्री श्याम प्रभु खाटू वाले के भजनों से श्रोता- श्रद्धालुओं को निहाल करेंगे यह पांच दिवसीय प्रोग्राम 28 फरवरी को भंडारे के साथ संपन्न होगा.

इस पांच दिवसीय प्रोग्राम में मंदिर को रंग बिरंगी लाइटों से भव्य रूप से सजाया गया है लोग दूर-दूर से यहां माथा देखने के लिए आते हैं और श्रद्धालुओं की हर मन्नत यहां पूरी होती है

गौरवमयी व गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित हो ईएसएम रैली : सुराणा

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिला मुख्यालय पर 08 मार्च को प्रस्तावित ईएसएम रैली को लेकर अधिकारियों को सौंपे दायित्व, दिए निर्देश

एसपी जय यादव, ब्रिगेडियर रणजीत सिंह संधू, एडीएम अर्पिता सोनी, कर्नल संदीप पानीग्राही सहित अधिकारी रहे मौजूद

चूरू, 23 फरवरी। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार (आपणी योजना) में चूरू जिला मुख्यालय पर 08 मार्च को प्रस्तावित ईएसएम (एक्स– सर्विसमैन) रैली को लेकर अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए विस्तृत निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ईएसएम रैली का आयोजन गौरवमयी एवं गरिमापूर्ण ढंग से किया जाए। आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था में अनुशासन, संवेदनशीलता और सम्मान का भाव हो। रैली में आने वाले पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि रैली स्थल पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसी के साथ सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुचारू रखी जाए तथा चिकित्सा, पेयजल एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को समुचित दायित्व सौंपते हुए कहा कि विभागों के बीच मजबूत समन्वय रहे तथा समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

एसपी जय यादव ने कहा कि कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद रखी जाए। सभी विभागीय अधिकारी कार्मिकों के पास आदि के लिए समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें।

ब्रिगेडियर रणजीत सिंह संधू ने ईएसएम रैली के दौरान सभी विभागों से अपेक्षित सहयोग का आग्रह करते हुए आयोजन की जानकारी दी तथा सैन्य अधिकारियों व प्रशासन के सहयोग से सफलतम आयोजन की बात कही।

कर्नल संदीप पानीग्राही ने आयोजन के दौरान सभी गतिविधियों व विभागों से अपेक्षित सहयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कालरीपायट्टू, सिलमबट्टम, हॉट एयर बैलून, डॉग शो, गटका, पाइप बैंड, मलखंभ, फ्लाईपास्ट बाई एएलएच/ डब्ल्यूएसआई व ईक्विपमेंट डिस्प्ले सहित आयोजन की जानकारी दी।

इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, एएसपी सतपाल सिंह, डीटीओ नरेश कुमार बसवाल, सानिवि एसई पंकज यादव, लेफ्टिनेंट कर्नल ए रंजन सहित अन्य अधिकारी भी बैठक मौजूद रहे।

24 फरवरी को जिला रोजगार कार्यालय में लगेगा कैम्पस प्लेसमेंट शिविर

नवरतन भारत न्यूज
94130-44646

हनुमानगढ़, 23 फरवरी। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान (रोजगार विभाग) की ओर से 24 फरवरी, 2026 को जिला रोजगार कार्यालय परिसर, हनुमानगढ़ जंक्शन में प्रातः 10 बजे से एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में रोजगार और स्वरोजगार प्रशिक्षण से संबंधित विभिन्न संस्थाएं भाग लेंगी।

जिला रोजगार अधिकारी श्री विनोद गोदारा ने बताया कि शिविर में निजी क्षेत्र की मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां, फर्टिलाइजर कंपनियां, इंश्योरेंस सेक्टर, आरएसएलडीसी सहित विभिन्न संस्थान शामिल होंगे।

इन संस्थाओं द्वारा 10वीं, 12वीं, स्नातक तथा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन मशीन ऑपरेटर, फील्ड ट्रेनी, सेल्स मैनेजर, बैंक ऑफिसर आदि पदों के लिए किया जाएगा।

मोबाइल एकेडमी व किलकारी सेवा से मजबूत हो रहा मातृ-शिशु स्वास्थ्य संचार : डॉ. नवनीत शर्मा

नवरतन भारत न्यूज
94130-44646

हनुमानगढ़। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने की दिशा में जिले में मोबाइल एकेडमी एवं किलकारी कार्यक्रम पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सरल माध्यम से पहुँचाना तथा आशा सहयोगिनियों की क्षमता को तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से मजबूत करना रहा।सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित किलकारी सेवा के माध्यम से पीसीटीएस में पंजीकृत महिलाओं को नियमित वॉयस मैसेज प्राप्त हो रहे हैं। इससे गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद आवश्यक सावधानियों, पोषण, टीकाकरण तथा शिशु देखभाल संबंधी जानकारी घर बैठे मिल रही है। डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि किलकारी सेवा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की पहल है, जिसके तहत लाभार्थी महिला को गर्भकाल के चौथे माह से वॉयस मैसेज मिलना शुरू हो जाता है। शिशु के जन्म के बाद भी एक वर्ष की आयु तक संदेश भेजे जाते हैं। इन संदेशों में एएनसी जांच, सुरक्षित प्रसव, एचबीएनसी देखभाल, परिवार कल्याण और पूर्ण टीकाकरण जैसे विषय शामिल रहते हैं।मोबाइल एकेडमी से आशाओं का कौशल विकास कार्यक्रम अधिकारी नवल किशोर व्यास ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि यह सेवा मातृ-शिशु स्वास्थ्य जागरूकता का प्रभावी माध्यम बन रही है

सावधान! इमोशनल ब्लैकमेल कर ठगे 50 हजार, चूरू पुलिस ने 24 घंटे में कराए रिफण्ड

राजस्थान के चूरू जिले से साइबर पुलिस की एक बड़ी कामयाबी सामने आई है। जहाँ तारानगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के साथ हुई 50 हजार रुपये की साइबर ठगी की राशि को न केवल ट्रैक किया, बल्कि उसे वापस पीड़ित के खाते में रिफण्ड भी करवाया। आइए जानते हैं क्या था पूरा मामला।

घटनाः एक्सीडेंट का झूठा डर दिखाकर ठगे गए थे 50 हजार रुपये।

कार्रवाईः तारानगर पुलिस की साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए राशि को किया होल्ड।

नतीजाः पीड़ित कुलवंत चौधरी को मिली अपनी गाढ़ी कमाई वापस।

विस्तृत रिपोर्टः

चूरू जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशानुसार जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बड़ी सफलता मिली है। मामला तारानगर थाना क्षेत्र का है, जहाँ 'दीपिका डेंटल क्लीनिक' चलाने वाले कुलवंत चौधरी साइबर ठगी का शिकार हो गए थे।

क्या थी ठगी की मोडस ऑपरेंडी?

8 दिसंबर 2025 को पीड़ित के पास 'नासिर' नामक व्यक्ति का फोन आया। ठग ने बेहद शातिराना तरीके से कुलवंत को डराया कि उनका चचेरा भाई, जो कोलकाता में रहता है, एक गंभीर एक्सीडेंट में घायल हो गया है और अस्पताल में भर्ती है। घबराहट में जब पीड़ित ने अपने भाई को फोन लगाया तो वह स्विच ऑफ मिला। इसी डर का फायदा उठाकर ठग ने 1 लाख रुपये मांगे, जिसमें से पीड़ित ने 50,000 रुपये तुरंत ट्रांसफर कर दिए। बाद में हकीकत पता चलने पर ठग ने पीड़ित को ब्लॉक कर दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाईः

शिकायत मिलते ही थानाधिकारी सतपाल बिश्नोई के नेतृत्व में साइबर पोर्टल पर तैनात कांस्टेबल ओमप्रकाश (बेल्ट नंबर 800) ने मोर्चा संभाला। ओमप्रकाश ने बिना समय गंवाए तकनीकी विश्लेषण के जरिए ट्रांजैक्शन को ट्रेस किया और संबंधित बैंक से संपर्क कर फ्रॉड की राशि को बीच में ही 'होल्ड' करवा दिया। पुलिस की इसी फुर्ती के कारण ठगी गई पूरी राशि (50,000 रुपये) पीड़ित के खाते में वापस रिफण्ड हो गई है।

पुलिस की जरूरी एडवाइजरीः

पुलिस प्रशासन ने इस सफलता के साथ ही आमजन के लिए चेतावनी और सुझाव भी जारी किए हैंः

तत्काल सूचना देंः यदि आप साइबर फ्रॉड का शिकार होते हैं, तो तुरंत 1930 डायल करें या **cyber-crime.gov.in** पर शिकायत दर्ज करें।

अनजान लिंक से बचेंः किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक या त्क्र कोड को क्लिक न करें।

सुरक्षा कवचः अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स पर **Two-Step Verification** जरूर ऑन रखें।

सत्यापनः किसी भी अनहोनी की सूचना मिलने पर घबराएं नहीं, पहले विश्वसनीय सूत्रों से खबर की पुष्टि करें।

'जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें। आपकी सतर्कता ही साइबर ठगों का सबसे बड़ा इलाज है।' – चूरू पुलिस

पंच गौरव कृषि मेला 2026 सम्पन्न :

नवरतन भारत न्यूज
94130-44646

हनुमानगढ़। जिला प्रशासन, एमएसएमई व श्री खुशाल दास यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में कृषकों के लिए 21 से 23 फरवरी तक आयोजित हुआ। कृषि मेला 2026, 'पंच गौरव अन्नदाता से अन्नपूर्णा तक का समृद्धि पथ' का सोमवार को एसकेडी यूनिवर्सिटी में समारोहपूर्वक समापन हुआ। जिले में कृषकों के ज्ञानवर्धन, उनकी आय को दुगनी करने, कृषि के स्मार्ट समाधानों को किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि मेले का आयोजन हुआ। मेले में कृषक वैज्ञानिक संवाद, कृषि के स्टार्टअप स्टॉल, पशु सौंदर्य प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ड्रोन प्रदर्शन, लाइव डेमोंस्ट्रेशन मुख्य आकर्षण रहें। मेले को देखने के लिए जिले सहित दूसरे राज्यों से भी हजारों कृषक पहुंचे। सोमवार को कृषि महोत्सव के समापन समारोह में जिला कलेक्टर खुशाल यादव ने कहा कि इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर का यह सबसे बड़ा मेला है। यूनिवर्सिटी में कृषि मेला लगाने की शुरुआत पिछले वर्ष से शुरू हुई। एसकेडी यूनिवर्सिटी में यह मेला हनुमानगढ़ में ही संभव था, क्योंकि यहां के कृषक ना केवल जागरूक है बल्कि वो नवाचारों को अपनाना भी चाहते है। इस मेले की सबसे बड़ी खूबी है कि इसमें अधिकतर कृषक स्वयं पहुंचे। मेले का उद्देश्य था कि किसानों का उत्सव के साथ ज्ञानवर्धन हो। जिला कलेक्टर खुशाल यादव ने कहा कि एसकेडी एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह तीन दिवसीय यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का मेला किसानों ग्रामीणों व युवा साथियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मेले में प्रगतिशील किसान आये हैं। जो नये नवाचार कर रहें हैं। पेस्टीसाइड की मात्रा भोजन व सब्जी में बढ़ रही हैं उन सब चुनौतियों को कम करने के लिए कृषकों को समग्र और आर्थिक संबल दिलाने के लिए हमें लीग से हटकर कार्य करना होगा। कलेक्टर यादव ने कहा कि किसान यहां से कुछ ना कुछ खरीद कर जा रहे थे, यह इस बात की निशानी है कि वह नवाचारों को अपनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप इस मेले का आयोजन किया गया। जिससे किसानों की आय दुगुनी की जा सके। इसमें उन्नत किस्म के पशुओं के साथ पशुपालक भी मौजूद रहे, जिससे पशुपालक प्रेरणा लेकर अपनी आय में वृद्धि कर सके। मेले में आए 23 करोड़ के मुर्रा नस्ल की उन्नत किस्म के भैंसे अनमोल तथा एक करोड़ रुपए से अधिक लागत के ट्रैक्टर व कम्बाइन जो आकर्षण का केंद्र, चर्चा का विषय रहे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में उप महानिदेशक डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन कितना चिंतित हैं किसानों को आर्थिक समद्ध बनाने के लिए उसका उदाहरण हैं यह अद्भुत व ऐतिहासिक कृषि मेला। विश्वविद्यालय ने किसानों को ऐसा मंच दिया है। जिसमें रिसर्च, वैज्ञानिक, बुद्धिजीवियों के मार्ग दर्शन में कृषक अपनी आय को कैसे बढ़ा सकता हैं। इस पर मथंन हुआ। मैने कृषि मेले में लगाई गई सभी स्टॉल का निरीक्षण किया था। ऐसे सभी उपकरण जिसमें किसानों ने रुचि दिखाई, उनको खरीदने के लिए कृषि विभाग के साथ मिलकर कृषकों को सब्सिडी दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। मेले में बीज से लेकर बाजार तक की किस्म नवाचारों को प्रस्तुत किया गया। कृषि को लेकर ऐसे कई स्मार्ट समाधान थे, जिसमें किसानों ने ना केवल रुचि दिखाई, बल्कि अपनाने को लेकर भी उत्साह दिखाया है। गुरु गोबिंद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि पिछले वर्ष लगे मेले से इस मेले को बेहतर से बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। सफलतम मेला आयोजित करने के लिए विश्विद्यालय की एक टीम को पूरे वर्ष भर देश में जितने भी बड़े कृषि मेले लगे। वहां-वहां भेजा गया और नवीनतम जानकारी प्राप्त कर, इस मेले में लागू की गई। हमारे क्षेत्र का कृषक खुशहाल होगा, तो हम भी खुशहाल होंगे। उन्होंने अपने उद्बोधन के अंत में अटल बिहारी वाजपेई के जय जवान, जय विज्ञान, जय किसान के नारे के साथ ही किसानों को तकनीकी एवं अनुभवों को मिलाते हुए उन्नति करने की अपील की। जुनेजा ने कहा कि हमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मेले के माध्यम से देश भर के ऐसे किसनों को जोड़ा हैं। जो कम जोत से नवाचार के माध्यम से कैसे अपनी आमदनी को दुगुना कर और खेती के अलावा और कोई नये नवाचार कर आय कैसे बढ़ाये। इसी मंशा हमने देश भर से वैज्ञानिकों को बुलाया है। जिनके मार्गदर्शन में यह नवाचार बना कृषि मेला साबित होगा। किसान तकनीकी को स्वीकार करें, तो उनकी आय में होगी वृद्धि विश्वविद्यालय चेयरपर्सन वरुण यादव ने कहा कि यह कृषि महोत्सव जिले के किसानों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। मेरा किसानों से विशेष आग्रह है कि जिन्होंने इस कृषि महोत्सव में नवाचारों को देखा, वो उन्हें अपने खेतों में धरातल पर अपनाए। सभी कृषकों के अंदर सकारात्मक ऊर्जा संचारित हुई है। किसान तकनीकी को खुले मन से स्वीकार करेंगे, तो उनकी आय में संवर्द्धन होगा। गोरख टीला धूणा प्रन्यास अध्यक्ष महंत रूपन-थ ने कहा कि कृषि मेले जैसे आयोजन प्रत्येक वर्ष आयोजित होने चाहिए। किसान देवता के समान है, उनका आदर होना चाहिए। किसानों और वैज्ञानिकों का आपस में निरंतर संवाद हो ताकि अनुभव और तकनीकी साझा हो। यहां आकर जिले का किसान बहुत खुश नजर आ रहा है। पहले किसान लुधियाना, हिसार जाते थे, जहां जिले के चुनिंदा किसान ही पहुंच पाते थे। इस आयोजन से जिले के किसान लाभान्वित हुए है। मेरा किसानों से आग्रह है कि उन्नत खेती की और जाए। मंच संचालन भीष्म कौशिक ने किया।कम जोत से ज्यादा पैदावार लेने वाले नवाचारी कृषकों को मिला सम्मान खेती घाटे का सौदा नहीं है। यह चरितार्थ करने वाले, कम जमीन से ज्यादा पैदावार उत्पन्न करने वाले, चुनिंदा नवाचार करने वाली कृषकों को सम्मानित किया गया। इनमें जैविक खेती के लिए किसान गिरधारी लाल, श्रीमति उर्मिला धारणिया, श्रीमति सुनीता कँवर, अंजीर की खेती के लिए संदीप गोदारा, ड्रेगन फ्रूट के लिए सुनील कुमार, अजित बेनीवाल, एलोवेरा जूस के लिए अजय स्वामी, ऑर्गेनिक गुड़ के लिए करमजीत सिंह, मधुमक्खी पालन के लिए विनोद कुमार, चरक आयुर्वेद के लिए श्रीमती पुजा बेनीवाल, निः शुल्क पोधा रोपण के लिए राहुल भारद्वाज, सुभाष खिचड़, देशी बीज के लिए अनूप कुमार, जोगेंदर राणा, देशी आचार के लिए नरेश कुमार, किन्नू के लिए शिवेंद्र, कुलदीप रासूवाला, आलू खेती के लिए नंदलाल कुलचंद्र, विजय कुमार टाक इसके अलावा विकास फगेड़िया, बलविन्द्र मान, सुनील मलिक, जांगिड़ वर्क एग्रीकल्चर इक्यूपमेंट को श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान प्रतीक और प्रशस्ति पत्र सम्मानित किया गया।पशुपालकों के नवाचारों को मिला हज़ारों का सम्मान22 फरवरी को बीटल बकरी नस्ल प्रतियोगिता में पशुपालक चरणजीत मसानी, शाहनवाज 8 चक, साहीवाल नस्ल बछड़ी प्रतियोगिता में पशुपालक शेर सिंह, संतनगर, राजेंद्र नौरंगदेसर, बारबरी बकरी नस्ल प्रतियोगिता में पशुपालक बाबूखान (पंजाब), अमृतपाल सुंदरपुरा, देवेंद्र, मुर्रा भैंस नस्ल प्रतियोगिता में पशुपालक सुदेश (हिसार), नेतराम (संगरिया), राजेंद्र नौरंगदेसर को सम्मानित किया गया। 23 फरवरी को थारपारकर नस्ल बछड़ी प्रतियोगिता के लिए पशुपालक राजेंद्र(रामपुरा), गुरमीत (पंजाब), महावीर (फतेहगढ़), मुर्रा बुल नस्ल प्रतियोगिता में पशुपालक पुरुषोत्तम (हरियाणा), अंजली (जींद), राजेश (हिसार), शुद्ध देशी नस्ल गाय प्रतियोगिता में पशुपालक राजेंद्र (रामपुरा), हर्षदीप सिंह (ऐलनाबाद), लक्षदीप (चक ज्वाला सिंह वाला, साहीवाल नस्ल के लिए राजेंद्र (रामपुरा), गुरमीत (पंजाब), महावीर (फतेहगढ़) को चैक राशि देकर सम्मानित किया गया। पशुपालकों को 31 हजार से लेकर 5100 रुपए तक की नगद राशि का चैक देकर सम्मानित किया गया।उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील कृषको को किया पुरस्कृत कृषि विभाग की आत्मा (कृषि प्रोद्योगिकी प्रवन्धन संस्थान) योजनान्तर्गत कृषि व कृषि से सम्बद्ध क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियो यथा समन्वित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी, जैविक खेती व नवाचारी खेती आदि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील कृषको को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कृत किया गया। जिले की प्रत्येक पंचायत समिति से एक-एक कृषक इस प्रकार जिले की कुल सात पंचायत समितियों में 35 कृषक व पंचायत समिति स्तर पर चयनित 35 कृषकों में से उत्कृष्ट प्रत्येक गतिविधि में दो-दो कृषको का जिला स्तर पर कुल 10 कृषकों का चयन किया गया। पंचायत समिति स्तर पर चयनित कृषक को दस हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र तथा जिला स्तर पर चयनित कृषक को पच्चीस हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।ओमप्रकाश जाट निवासी चक 22 एनडीआर, यशवंत सिंह राजपूत निवासी अमरपुरा थेड़ी, श्रवण कुमार बिश्नोई निवासी चक23 एमओडी, हरदयालपुरा, नरेश कुमार जाट निवासी 2पीबीएन, पीलीबंगा, वीरेंद्र कुमार निवासी चक 7 एचडीपी, सुरावाली, बलजिंद्र सिंह जटसिख निवासी 2 केएसपी, कृष्ण लाल निवासी न्योलखी, शिवभगवान निवासी चांदेरी छोटी, रामनिवास बिजारणियां निवासी फेफाना, सतीश कुमार निवासी मेहराना। उक्त इन दस किसानों को पच्चीस हजार रुपए देकर प्रोत्साहित किया गया।समापन कार्यक्रम में यह रहे मौजूद समापन कार्यक्रम में जिला कलेक्टर सहित प्रबंध निदेशक दिनेश जुनेजा, आईसीएआर वैज्ञानिक डॉ. उमेश श्री वास्तव, डॉ. आर एल सपरा, डॉ. अमर सिंह पूनिया, रिटायर्ड आईजी केपी सिंह (अयोध्या), एडिशनल एसपी अरविंद बिश्नोई, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष मक्कासर, पूर्व प्रधान रामसिंह बराड़, बाबा लाल सिंह, भाजपा नेत्री गुलाब सिंवर, बार संघ अध्यक्ष रोहित खीची, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जितेंद्र गोयल, कामरेड रामेश्वर वर्मा, अशोक गाबा, डॉ.रामवतार मीणा, रिटायर्ड आईजी गिरीश चावला, सरपंच जगतार सिंह बराड़, राजेंद्र भांभू, देवेंद्र अग्रवाल, प्रताप सिंवर, भाजपा नेता अजयपाल ज्याणी, जगपाल सिंह, जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक आकाशदीप सिद्धु, उपनिदेशक उद्यान रमेश बराला, कृषि (आत्मा) उपनिदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र डूडी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रमोद यादव, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक दिव्या, पंचगौरव नोडल श्रीमती ममता बिश्नोई, एसीबीओ रजनीश गोदारा मौजूद रहे।

स्वामी प्रकाशक लक्ष्मी नारायण स्वामी एवं मुद्रक विकास शर्मा के द्वारा शांति सरोज प्रिंटर्स अंबेडकर कॉलोनी हनुमानगढ़ टाउन जिला हनुमानगढ़ से मुद्रित एवं कार्यालय नवरतन भारत वार्ड नंबर 17 गोविंद सिंह नगर हनुमानगढ़ जंक्शन जिला हनुमानगढ़ राजस्थान335512 से प्रकाशित एवं प्रसारित संपादक लक्ष्मी नारायण स्वामी, वाद- विवाद का न्यायिक क्षेत्र हनुमानगढ़ होगा RNI NO RAJBIL/2023/88776 www.navratanbharat.com,email:-info@navratanbharat.com, navratnbharat@gmail.com